मूल्य संचेतना: विविध आयाम

डॉ. सरोज गुप्ता

Scanned with OKEN Scanner

मूल्य संचेतना : विविध आयाम

डॉ. सरोज गुप्ता
अध्यक्ष-हिन्दी विभाग
शासकीय स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य 'अग्रणी'
महाविद्यालय-सागर (म. प्र.)

जे.टी.एस. पब्लिकेशन्स
वी-508, गली नं.17, विजय पार्क,
दिल्ली-110053
मो. 08527460252, 09990236819
ईमेल: jtspublications@gmail.com

Scanned with OKEN Scanner

जे.टी.एस. पब्लिकेशन्स, दिल्ली

वैधानिक चेतावनी
पुस्तक के किसी भी अंश के प्रकाशन- फोटोकॉपी, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपयोग के लिए लेखक/ संपादक/ प्रकाशक की लिखित अनुमति आवश्यक है।

मूल्य संचेतना : विविध आयाम

डॉ. सरोज गुप्ता

© डॉ. सरोज गुप्ता

प्रथम संस्करण : २०१८
ISBN 978-93-88522-08-3

प्रकाशक
जे०टी०एस० पब्लिकेशन्स
वी-508, गली नं०17, विजय पार्क, दिल्ली-110053
दूरभाष : 08527 460252, 09990236819
E-Mail : jtspublications@gmail.com

ब्रांच ऑफिस
ए-9, नवीन इनक्लेव गाज़ियाबाद,
उत्तर प्रदेश, पिन-201102

मूल्य : ५६५.०० रूपये
आवरण : प्रतिभा शर्मा, दिल्ली
मुद्रक : तरूण ऑफसेट प्रिंटर्स, दिल्ली

MULAY SANCHETNA : VIVIDH AAYAM
by Dr. Saroj Gupta

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

भूमिका V

1. लोक साहित्य में संस्कृति की मधुरिम छटा 1
2. ईसुरी की फागें 15
3. श्रम, प्रेम और अध्यात्म के साधक कवि : कबीर 21
4. हा हा ! भारत दुर्दशा न देखी जाई : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र 27
5. सरस्वती के सम्पादक पं. महावीर प्रसाद द्विवेदी 33
6. भारतीय संस्कृति के प्रतीक पुरुष : वागीश शास्त्री जी 39
7. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त का मूल्यपरक राष्ट्रवादी चिन्तन 43
8. महाकवि जयशंकर प्रसाद जी का काव्य रचनासंसार 50
9. प्रगतिशील चिन्तक : सियारामशरण गुप्त 55
10. सियारामशरण गुप्त के पत्रों में सन्निहित साहित्यिक प्रतिमान 67
11. डॉ. प्रेमशंकर की कवितायें: एक विवेचन 72
12. मैत्रयी पुष्पा के उपन्यासों में वर्णित प्रमुख नारी पात्र 76
13. भक्ति ज्ञान की त्रिवेणी : डॉ मीना पिम्पलापुरे 79
14. साहित्य, राजनीति व धर्म के प्रतिरुप -विट्ठलभाई पटैल 83
15. बुन्देली: स्वास्थ्यपरक गीतों की जीवन में उपयोगिता 87
16. बुन्देलखण्ड के किसानों का वर्षा विज्ञान 95
17. व्यक्तित्व विकास और शिक्षा 99
18. मूल्यपरक शिक्षा वर्तमान समय की माँग 104
19. उच्चशिक्षा में मूल्यबोध का संकट: छात्र, शिक्षक और शिक्षा 108
20. सामाजिक विकास में साहित्यकारों का योगदान 111
21. नारी तू नारायणी 119
22. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मीडिया 132

Scanned with OKEN Scanner

23. प्रज्ञापुरुष मेरे पिताजी 135
24. कालेधन की समस्या और विश्व समुदाय 142
25. विकसित भारत की बदलती तस्वीर : सन् २०२० तक 146

Scanned with OKEN Scanner

डॉ. सरोज गुप्ता वैसे तो हिंदी साहित्य के अध्यापन से जुड़ी हैं। तकरीबन तीस वर्षों से शासकीय सेवाओं में हैं। घर–गृहस्थी की भी पूरी जिम्मेदारी बखूबी निर्वाह करती हैं। सामाजिक कार्यो में भी उसी ऊर्जा से संलग्न हैं। उतनी ही क्षमता से साहित्य की सेवा करने का उनका उत्साह उन्हें बाकी से जुदा करता है। निरंतर कुछ न कुछ नया करने, नया रचने की व्यग्रता उनको सामान्य से अलग खड़ा करती है। उनका लेखन के प्रति रूझान, नित नवीन विषयों पर रचनाकर्म, अपनी भाषा, बोली के प्रति अगाध प्रेम ये ऐसे कुछ विरले गुण हैं, जिनसे वे हिंदी साहित्य की सेवा करने में जुटीं हैं। आप देखिए तकरीबन दर्जन भर से ज्यादा संस्थाओं ने उनके कार्य के मर्म को समझा और पुरस्कृत भी किया। तीस के करीब पुस्तकों का लेखन व संपादन कर वे साहित्य के रचना संसार में मील का पत्थर बन चुकी हैं। हो सकता है कि कतिपय साहित्य के पारखी उनकी रचनाओं की गुणवत्ता पर चुहलबाजी करें पर इससे बेफिक्र वे चरैवेति–चरैवेति के मार्ग पर रचनाकर्म में तल्लीन हैं। बुंदेलखण्ड को लेकर उन्होंने जिस तरह के प्रामाणित ग्रंथ, शब्दकोश तैयार किए हैं, वे वास्तव में विरासत के तौर पर काम आएंगे। बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी से पढ़ी डॉ. सरोज गुप्त ने प्रख्यात साहित्यकार डॉ. भगीरथ मिश्र के मार्गदर्शन में शोध कार्य किया सो, ये लेखकीय संस्कार आने लाजिमी थे। अपने इसी कला–कौशल के जरिए वे हौले–हौले ही सही साहित्य जगत में स्थापित हो चुकी हैं।

- सम्प्रति : अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, पं. दीनदयाल उपाध्याय शासकीय स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, सागर (मध्य प्रदेश)
- संम्पर्क : सीमा कॉलोनी, स्नेह नगर, मधुकरशाह वार्ड, सागर (म. प्र.)
- दूरभाष : 07582–265718, मोबाइल–9425693570
- e-mail: sarojgupta1234@gmail.com

डॉ आशीष द्विवेदी,

निदेशक, इंकमीडिया सागर (म.प्र.)

इंकपावर से साभार.....

₹ 595/-

जे.टी.एस. पब्लिकेशन्स

वी-508, गली नं.17, विजय पार्क,दिल्ली-110053

मो. 08527460252, 011-22911223

ईमेल: jtspublications@gmail.com

ब्रांच ऑफिस: ए-9, नवीन इनक्लेव गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश, पिन-201102

ISBN 978-93-88522-08-3

9 789388 522083

Scanned with OKEN Scanner